MEDANTA

वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी

MEDANTA
HEART INSTITUTE

वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी क्या है ?

हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी हृदय वाल्व रोगों के इलाज की एक प्रक्रिया है। हृदय वाल्व रोग तब होता है जब चार हृदय वाल्वों में से कम से कम एक ठीक से काम नहीं कर रहा हो। हृदय में मौजूद वाल्व हृदय के माध्यम से रक्त को शरीर के सही दिशा में प्रवाहित करते हैं। माइट्रल वाल्व, ट्राइकसपिड वाल्व, पल्मोनरी वाल्व और एओर्टिक वाल्व हृदय के चार वाल्व होते हैं। प्रत्येक वाल्व में फ्लैप होते है जिन्हें माइट्रल और ट्राइकसपिड वाल्व के लिए लीफलेट कहा जाता है और एओर्टिक और पल्मोनरी वाल्व के लिए क्यूप्स कहा जाता है। यह फ्लैप प्रत्येक धड़कन के दौरान खुलने और बंद होने चाहिए। अगर ये सही तरीके से खुलते या बंद नहीं होते, तो हृदय से शरीर में रक्त के प्रवाह को बदल देते हैं। वाल्व सर्जरी में सर्जन ठीक से काम ना कर रहे हृदय वाल्व की मरम्मत करते हैं या उसे बदल देते हैं। यह प्रक्रिया ओपन हार्ट सर्जरी एवं मिनिमल इनवेसिव दोनों विधि से की जा सकती है। वाल्व सर्जरी का प्रकार मरीज़ की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और वाल्व रोग के प्रकार और गंभीरता पर निर्भर करता है।

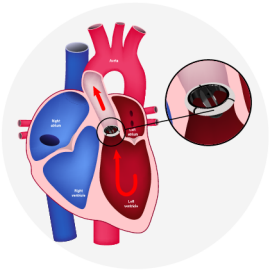

वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता किसे होती है ?

वाल्व सर्जरी हृदय के वाल्व रोगों का इलाज करने के लिए की जाती है जिसके दो मुख्य प्रकार हैं:

- वाल्व का सिकुड़ जाना, जिसे स्टेनोसिस कहा जाता है।
- वाल्व में छेद जिसकी वजह से रक्त का प्रवाह विपरीत दिशा में होने लगता है, जिसे रीगर्जिटेशन कहा जाता है।

अगर वाल्व रोग की वजह से मरीज़ के हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता कम हो जाये, तो मरीज़ को हार्ट वाल्व सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है।

वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी से पहले किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए ?

निम्नलिखित बातों पर अपने डॉक्टर से अवश्य बात कर लें :

- उन दवाओं के बारे में बात करें जो मरीज़ नियमित रूप से लेते हैं और क्या मरीज़ उन्हें अपनी सर्जरी से पहले ले सकते हैं या नहीं।
- किसी भी दवा से एलर्जी के बारे में अवश्य बताएं।
- खाना-पीना रोकने संबंधी निर्देश दिए जाएंगे।
- एक अटेंडेंट को अपने साथ रखें जो डिस्चार्ज के बाद आपको घर ले जा सके और बाकी कामों में मरीज़ की मदद कर सके।

वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी के दौरान क्या होता है ?

- सर्जरी से पहले मरीज़ को जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है जिससे सर्जरी के दौरान मरीज़ बेहोश रहें।
- सर्जरी के दौरान रक्त में निरंतर प्रवाह के लिए हार्ट लंग बाईपास मशीन का प्रयोग किया जाता है।
- डॉक्टर वाल्व को हटा कर कृत्रिम वाल्व लगा देते हैं या फिर उनकी मरम्मत करते है।
- सर्जरी के बाद हार्ट लंग मशीन को हटा के मरीज़ के हृदय को पुन: सामान्य रूप से कार्यबद्ध किया जाता है।
- एक बार हृदय का संचलन पुन: स्थापित करने के बाद ये सुनिश्चित किया जाता है कि वाल्व अच्छे से काम कर रहे हैं।
- जब मरीज़ का दिल फिर से धड़कने लगेगा तो डॉक्टर देखेंगे कि हृदय और वाल्व कैसे काम कर रहे हैं और सुनिश्चित करेंगे कि सर्जरी से कोई लीक नहीं हो रहा हो।

वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद क्या होता है ?

- मरीज़ को एक या दो दिन आई.सी.यू में रखा जाता है।
- मरीज़ के हृदय, रक्तचाप और अन्य मानकों पर निगरानी रखी जाती है।
- मरीज़ को नियमित चलने के लिए कहा जा सकता है। यह मरीज़ को धीरे-धीरे अधिक सक्रिय बनने में मदद करता है।
- मरीज़ को फिजियोथेरेपी कराई जाती है।
- अस्पताल से छुट्टी देने के पहले आपको चलाया जाएगा, अगर चलने में या फिर चलते समय कष्ट का अनुभव हो तो डॉक्टर को सूचित करें।

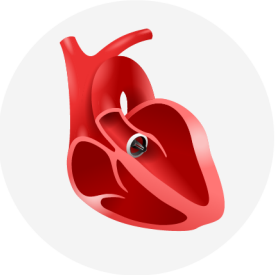

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें ?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर को सूचित करें:

- सीने में दर्द या अनियमित दिल की धड़कन
- सांस की तकलीफ
- चीरे के स्थान पर सूजन, लालिमा या निकास
- बुखार या ठण्ड लगना
- अचानक वज़न बढ़ना या शरीर में फ्लूइड का जमा होना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ